



चित्र

मुनि विश्वामित्र द्वारा राम-लक्ष्मण की माँग

६' x ८'

उन्मत्त दानवों के आक्रमणों से यज्ञों की रक्षा करने के लिए विश्वामित्र ने युवराज राम की माँग की। पुत्र मोह के वशीभूत राजा दशरथ पसोपेश में पड़े। गुरु वशिष्ठ ने राजधर्म पालन का संकेत किया। फलस्वरूप, विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण भेजे गये।

- Rishi Vishwamitra Wanted Ram's assistance to protect his Yajna from an attack by a group of dreadful demons. But because of his paternal affection for his sons, Raja Dashratha was in a dilemma. Guru Vashishtha reminded him Royal Duty, after which the King allowed Ram and Lakshman to go with Rishi Vishwamitra.